इस मास में विशेषः साधना दीक्षा

भूत-प्रेत बाधा निवारणार्थ हनुमान प्रयोग

जया एकादशी - 29 जनवरी

प्रेत योनियां अपनी **अतृप्त आकांक्षाओं** एवं **वासनाओं** की पूर्ति के लिये प्रायः **मनुष्यों** को **परेशान** करती है। किसी व्यक्ति पर **भूत-प्रेत** आदि का **प्रकोप** हो जाने अथवा किसी घर में **दुष्टात्मा** का वास हो जाने से भुक्त भोगी व्यक्ति का **जीवन** एकदम **पशु समान** हो जाता है, **अस्त-व्यस्त, अमानवीय** हो जाती है। **भूत-प्रेत** आदि **बाधाओं** के निवारण हेतु **भूत-प्रेत बाधा निवारणार्थ हनुमान प्रयोग भय** रहित सम्पन्न कर सकते है।

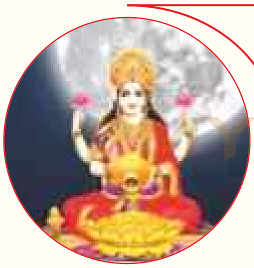

अमृतत्व प्राप्ति साधना

माघी पूर्णिमा - 01 फरवरी

इस **साधना** के फलस्वरूप साधक के जीवन में **अमृत रूपी लक्ष्मी तत्व** का **पूर्णता** वास बने और वह अपने **जीवन** में **कर्म, भाग्य** व **लक्ष्मी** के **संगम** से **त्रि-शक्ति स्वरूप** में **अमृतमय** बन सके तब ही **जीवन** की **विष** पूर्ण **स्थितियां** समाप्त होंगी और इसी के फलस्वरूप **देवत्व भाव** की **वृद्धि** होगी, इसी से **सांसारिक जीवन** में सभी स्वरूपों में **सर्वश्रेष्ठता** प्राप्त की जा सकेगी।

अशुभता कुलाभ निवारण विनायक साधना

द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी - 7 फरवरी

इस **साधना** से जीवन के सभी **अशुभताओं** का **निवारण** संभव है, जो जीवन की प्रथम **अनिवार्यता** भी मानी जाती है। जो भी जीवन में निरन्तर **कुलाभों** से ग्रसित हों, **उचित सुकर्म** करने के पश्चात् भी **समुचित लाभ** की प्राप्ति ना हो पाना अथवा **लाभ** की अपेक्षा **हानि** की स्थितियां निर्मित हो जाना। उनके लिये **अशुभता कुलाभ निवारण विनायक साधना वरदान** स्वरूप है, क्योंकि इस साधना द्वारा **भगवान विनायक गणपति साधक जीवन** की सभी **विषम स्थितियों, न्यूनताओं** का **शमन** कर **शुभ-लाभ** की **चेतना** से **आप्लावित** करते हैं। जिससे **साधक ऋद्धि-सिद्धि** युक्त **सर्व लक्ष्मियों** से युक्त होता है।

सर्व विजय श्री सम्पन्नता प्राप्ति विजया एकादशी प्रयोग

विजया एकादशी - 13 फरवरी

धन, वैभव, मान, प्रतिष्ठा, व्यापार आदि सभी क्षेत्रों में **सफलता** प्राप्त करने के लिये व्यक्ति **हर क्षण प्रयासरत** रहता है, किन्तु **सफलता** उसके हाथ नहीं लगती। साधारणतः **आम जीवन** में तो प्रत्येक व्यक्ति ऐसी ही **समस्याओं** व **बाधाओं** से ग्रस्त रहता है, किन्तु इन सभी **कष्टों** से, इन सभी **बाधाओं** से उसे छुटकारा मिल सकता है **'विजया एकादशी प्रयोग'** से। यह जीवन के सभी क्षेत्रों में **विजय** प्राप्त करने का **एकमात्र उपाय** है।

साधना एक **साधक** के जीवन का **अभिन्न अंग** है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव **सद्गुरूदेव** के **हृदय** में एक **विशिष्ट स्थान** प्राप्त करते हैं। ये **विशिष्ट साधनायें** सम्पन्न करने के लिए **कैलाश सिद्धाश्रम** में सम्पर्क करें।